SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT 2004-2005

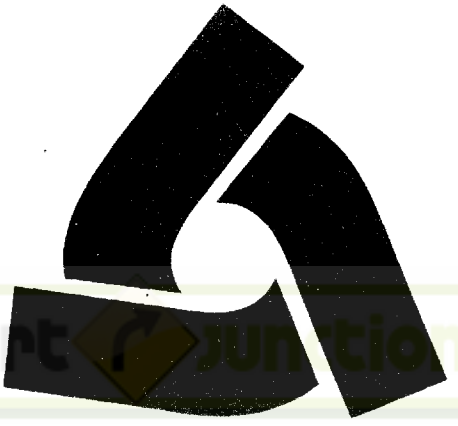

इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता - 700 001

HEAD OFFICE : 2, NETAJI SUBHAS ROAD, KOLKATA – 700 001

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इलहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001

HEAD OFFICE: 2, NETAJI SUBHAS ROAD, KOLKATA 700 001

विषय-सूची / CONTENTS

पृ. सं. / Page No.

- अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक का संदेश
  Chairman & Managing Director's Message 2
- सूचना
  Notice 5
- बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट
  Directors' Report of the Bank 8
- नैगम शासन पर रिपोर्ट
  Report on Corporate Governance 22
- नैगम शासन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
  Auditors' Report on Corporate Governance 37
- बैंक की वित्तीय विवरणी
  Financial Statements of the Bank 38
- बैंक के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
  Auditors' Report of the Bank 58
- समेकित वित्तीय विवरणी
  Consolidated Financial Statement 60
- समेकित वित्तीय विवरणी पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
  Auditors' Report on Consolidated Statement 82
- ऑल बैंक फाइनेन्स लि. की वित्तीय विवरणी पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
  Auditors' Report of All Bank Finance Ltd. 84
- ऑल बैंक फाइनेन्स लि. के निदेशकों की रिपोर्ट
  Directors' Report of All Bank Finance Ltd. 91
- ई.सी.एस. हेतु अधिदेश फार्म
  Mandate for ECS 111
- प्रॉक्सी फार्म
  Proxy Form 113
- उपस्थिति पर्ची
  Attendance Slip 115

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय शेयरधारको,

वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु आपके बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। व्यवसाय और लाभप्रदता में वृद्धि की ऊँची दर प्राप्त करने, बैंक की व्यापक पहचान तथा बाजार में विश्वास और साख निर्माण की दृष्टि से यह वर्ष आपके बैंक के इतिहास का महत्वपूर्ण वर्ष रहा। बैंक के कार्यनिष्पादन पर विस्तार से चर्चा करने से पूर्व मैं भारतीय आर्थिक एवं बैंकिंग परिदृश्य पर संक्षेप में बताना चाहूँगा।

अनुकूल वैश्विक-आर्थिक विस्तार (2004 के दौरान 5.1%) से वर्ष 2004-05 के दौरान भारतीय अर्थ-व्यवस्था को 6.9% की दर से विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर होने में मदद मिली है। उद्योग और सेवा क्षेत्र दोनों ने क्रमशः 8.3% और 8.6% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शायी है जबकि कृषि क्षेत्र में विगत वर्ष की प्रचुर वृद्धि (9.6%) की पृष्ठभूमि में वृद्धि 1.1% रही। इस प्रकार, वैश्विक और राष्ट्रीय आर्थिक परिदृश्य भारतीय बैंकिंग उद्योग के व्यापक विस्तार में सहायक रहे।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली ने वैश्विक बैंकिंग मानकों और परिपाटियों को प्राप्त करने की चुनौतियों का भलीभाँति सामना किया। भारतीय बैंकों ने जोखिम प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और अब वे बासेल-II मानकों को अपनाने की तैयारी में हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैंक के रूप में उभरने तथा मजबूती प्राप्त करने हेतु समेकन और स्वायत्तता बैंकिंग क्षेत्र का केन्द्र बिन्दु रहे। भारतीय बैंकों की बेहतर छवि और उन्नत कार्यनिष्पादन से बाजार से पूंजी संवर्धन करने में और आसानी हुई।

विश्व स्तर पर कच्चे तेल के मूल्यों के चलते ब्याज दर परिदृश्य में आई कठोरता ने 2004-05 के दौरान भारतीय बैंकों को धक्का पहुँचाया। जबकि ट्रेजरी परिचालन से होने वाले लाभ में काफी कमी आई, भारतीय बैंक कोर बैंकिंग और शुल्क आधारित गतिविधियों से लाभ प्राप्त करने पर संकेन्द्रित हुए। इस प्रकार, भारतीय बैंक अब समष्टि-आर्थिक आघातों को सहने और समुत्थान हेतु सक्षम बन गए हैं।

अब आपके बैंक की बात करें, वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक का कार्यनिष्पादन, विशेषकर व्यवसाय विस्तार और लाभप्रदता के क्षेत्रों में, प्रशंसनीय रहा। 2004-05 के दौरान बैंक का परिचालन लाभ विगत वर्ष के रु.876.25 करोड़ से 22.41% बढ़कर रु.1072.62 करोड़ हो गया। यह उल्लेखनीय है कि 2004-05 के दौरान परिचालन लाभ में रु.725.19 करोड़ के ट्रेडिंग

Chairman and Managing Director's Message

Dear Shareholders,

It gives me immense pleasure in placing before you the Annual Report of your Bank for the financial year 2004-05. The year was significant in the history of your Bank for achieving higher growth trajectory in business and profitability, enhanced visibility and building market confidence & credibility. Let me touch upon briefly the Indian economic & banking scene, before taking up the performance of the Bank in detail.

Favourable global economic expansion (5.1% during 2004) has facilitated Indian economy to continue in the accelerated growth path at 6.9% during 2004-05. Both industry and service sector have shown a significant growth at 8.3% and 8.6% respectively, while agriculture sector grew by 1.1% in the backdrop of robust growth (9.6%) last year. Thus, global and national economic scenes were conducive for rapid expansion of Indian banking industry.

Indian banking system has well embraced the challenges of attaining the global banking standards and practices. Indian banks have evolved the risk management system and are prepared for adopting Basel II. Consolidation and autonomy have taken the centre stage in the banking circle for banks to gather muscle and emerge as banks of international stature. Augmentation of capital from market has become easier with enhanced image and improved performance of Indian banks.

Hardening of interest rate scenario led by global crude oil prices shook the Indian banks at its core, during 2004-05. While profits from treasury operations eroded immensely, Indian banks concentrated on profits from core banking and income from fee-based activities. Thus, Indian banks are now resilient and capable of absorbing macro-economic shocks.

Coming back to your Bank, the performance during 2004-05 was laudable particularly in the areas of business expansion and profitability. The operating profit of the Bank increased by 22.41% to Rs.1,072.62 crores during 2004-05 from Rs.876.25 crores in the previous year. Notably, operating profit excluding trading profit amounted to Rs.725.19 crores during 2004-05 as against

www.reportjunction.com

लाभ की राशि, जो पिछले वर्ष रु.371.55 करोड़ थी, शामिल नहीं है, यह 95.18% की वृद्धि दर्शाता है। इस प्रकार, बैंक कोर बैंकिंग व्यवसाय पर ध्यान केन्द्रित करते हुए लाभ में पर्याप्त वृद्धि करने में सक्षम रहा।

2004-05 के दौरान बैंक का निवल लाभ पिछले वर्ष के रु. 463.38 करोड़ से 16.9% बढ़ कर रु. 541.80 करोड़ हो गया। कड़े ब्याज दर परिदृश्य के बावजूद निवल लाभ में वृद्धि का श्रेय कोर बैंकिंग परिचालन से प्राप्त लाभ, शुल्क आधारित आय में वृद्धि, परिचालनगत दक्षता और अन्य परिचालन व्यय में कमी को दिया जा सकता है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि वर्ष के दौरान आपके बैंक का प्रति शेयर अर्जन रु. 13.37 से बढ़ कर रु. 15.63 हो गया जबकि प्रति शेयर बही मूल्य रु. 44.76 से बढ़कर रु. 67.14 हो गया। 2004-05 के दौरान पूंजी बाजार में इलाहाबाद बैंक के शेयरों की कीमतों में तीव्र वृद्धि देखी गई जो लोगों के व्यापक विश्वास और समर्थन का परिचायक है।

31.3.2005 को यथास्थिति बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात एक वर्ष पूर्व के 12.52% के सापेक्ष 12.53% रहा। वर्ष के दौरान निवल एनपीए 2.37% से घटकर 1.28% और सकल एनपीए 8.66% से धटकर 5.80% रह गया। मार्च 2005 के अंत में प्रावधान कवरेज अनुपात को और बढ़ाकर 77.92% किया गया जो मार्च 2004 के अंत में 73.75% था।

2004-05 के दौरान प्रति कर्मचारी व्यवसाय के रूप में मापी गई उत्पादकता पिछले वर्ष के रु.2.15 करोड़ से बढ़कर रु.2.82 करोड़ हो गई जबकि वर्ष के दौरान प्रति कर्मचारी लाभ रु.2.46 लाख से बढ़कर रु.2.86 लाख हुआ। बढ़ी हुई दक्षता से बैंक को 2004-05 के दौरान कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन व्यय को 2003-04 के 2.99% से घटाकर 1.98% करने में मदद मिली। अन्य परिचालन व्यय रु.400.22 करोड़ से घटकर रु.389.59 करोड़ रह गए। मार्च 2005 के अंत में, बैंक की आस्तियों पर प्रतिफल और औसत निवल संपत्तियों पर प्रतिफल क्रमशः 1.20% और 35.55% रहा।

यह उत्साह का विषय है कि 31.3.2005 को यथास्थिति आपके बैंक का कुल व्यवसाय 31.4% बढ़कर रु.62,914 करोड़ हो गया। 31.3.2005 को यथास्थिति कुल जमाराशियाँ 29.5% बढ़कर रु.40,762 करोड़ हो गई और सकल ऋण 35.2% बढ़कर रु.22,152 करोड़ हो गया। 31.3.2005 को यथास्थिति सकल निवेश 22.6% बढ़कर रु.19,129 करोड़ हो गया। इस प्रकार, व्यवसाय में वृद्धि की ऊँची दर से बैंक को अपना बाजार अंश बढ़ाने में मदद मिली जो इस अवधि के दौरान जमा के रूप में 1.96% से 2.25% और ऋण के रूप में 1.85% से 1.96% रहा।

मार्च 2005 के अंत में कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण 33.7% बढ़कर रु.9,947 करोड़ हो गया जो निवल बैंक ऋण का 45.0% है। कृषि अग्रिम 35.4% बढ़कर रु.4,146 करोड़ हो गए जो निवल बैंक ऋण का 18.8% बनता है। 2004-05 के दौरान बैंक ने 1,73,252 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जिसमें रु.613.36 करोड़ की ऋण सीमा शामिल है, इससे कार्डों की संचयी संख्या 5.88 लाख हो गई। महिलाओं को दी गई ऋण की राशि रु.1,324 करोड़ रही जो निवल बैंक ऋण का 5.99% बनता है।

2004-05 के दौरान समस्त किसान क्रेडिट कार्डधारकों को कृषि निवेश ऋण के साथ-साथ व्यक्तिगत ऋण प्रदान करने हेतु 24.4.2004 को शुरू की गई नई योजना, किसान शक्ति योजना (केएसवाई) के अंतर्गत बैंक ने 49,635 केसीसी धारकों को ऋण सुविधा उपलब्ध करायी जिसमें रु.650.25 करोड़ की ऋण सीमा शामिल है।

2004-05 के दौरान बैंक ने रिटेल ऋण पर बल देना जारी रखा और बैंक के 245 रिटेल बैंकिंग बुटीकों ने रु.1,004 करोड़ का ऋण संवितरित किया। एनआईसीएल और ईसीजीसी के साथ मौजूदा टाइ-अप के अतिरिक्त

Rs.371.55 crores in the previous year, showing a growth of 95.18%. Thus, the Bank has been able to substantially increase profits through our focused attention on core banking business.

The net profit of the Bank grew by 16.9% to Rs.541.80 crores during 2004-05 from Rs.463.38 crores in the preceding year. The rise in net profit inspite of hardening interest rate scenario, can be attributed to profits from core banking operations, increase in fee-based income, operational efficiency and reduction in other operating expenses.

You will be happy to note that the earnings per share of your Bank went up to Rs.15.63 from Rs.13.37 during the period while book value per share improved to Rs.67.14 from Rs.44.76. The prices of Allahabad Bank shares in the capital market have shown sharp increase during 2004-05, signifying a broad-base trust and support of people.

The capital adequacy ratio of the Bank stood at 12.53% as on 31.3.2005 as against 12.52% a year ago. The net NPAs declined to 1.28% from 2.37% while Gross NPAs reduced to 5.80% from 8.66% during the period. Provision coverage ratio was brought up further to 77.92% as at March-end 2005 from 73.75% as at March-end 2004.

Productivity measured by business per employee increased to Rs.2.82 crores during 2004-05 from Rs.2.15 crores in the previous year while profit per employee went up to Rs.2.86 lacs from Rs.2.46 lacs during the period. Enhanced efficiency has helped the Bank reduce operating expenses as percentage to working funds to 1.98% during 2004-05 from 2.99% in 2003-04. Other operating expenses reduced from Rs.400.22 crores to Rs.389.59 crores. Return on assets and return on average net worth of the Bank stood at 1.20% and 35.55% respectively as at March-end 2005.

It is heartening to report that total business of your Bank has gone up by 31.4% to Rs.62,914 crores as on 31.3.2005. Total deposits grew by 29.5% to Rs.40,762 crores and gross credit went up by 35.2% to Rs.22,152 crores as on 31.3.2005. Gross investments grew by 22.6% to Rs.19,129 crores as on 31.3.2005. Thus, higher growth in business has helped the Bank improve its market share, for deposit from 1.96% to 2.25% and for credit from 1.85% to 1.96% during the period.

Total Priority Sector credit grew by 33.7% to Rs.9,947 crores, forming 45.0% of net bank credit as at March-end 2005. Agriculture advances went up by 35.4% to Rs.4,146 crores, forming 18.8% of net bank credit. The Bank issued 1,73,252 Kisan Credit Cards involving credit limit of Rs.613.36 crores during 2004-05, taking the cumulative number of cards to 5.88 lacs. Credit to women amounted to Rs.1,324 crores, forming 5.99% of net bank credit.

Under Kisan Shakti Yojana (KSY), launched on 24.4.2004, to provide farm investment credits as well as personal loans to all Kisan Credit Card holders, the Bank extended credit facility to 49,635 KCC holders with a credit limit of Rs.650.25 crores, during 2004-05.

The Bank's thrust on retail credit continued and the designated 245 Retail Banking Boutiques of the Bank disbursed a credit of Rs.1,004 crores, during 2004-05. In addition to the existing tie-up with NICL and ECGC, the Bank has entered into corporate

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ने हमारी शाखाओं के माध्यम से बीमा पॉलिसियों की बिक्री हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम से और म्युचुअल फंड उत्पादों के विपणन हेत यूटीआई म्युचुअल फंड के साथ कार्पोरेट एजेंसी टाइ-अप किया है। हमने बीमा और म्युचुअल फंड उत्पादों की प्रत्यक्ष बिक्री हेतु संभाव्य महत्वपूर्ण केन्द्रों पर 134 प्रशिक्षित अधिकारियों को अभिनियोजित किया है।

2004-05 के दौरान समूह योजना के अंतर्गत समस्त पात्र गृह ऋण ग्राहकों (मौजूदा और संभावित) को जीवन बीमा कवर प्रदान करने हेतु बैंक ने एलआईसीआई के सहयोग से *"ऑलबैंक गृह मंगल योजना"* नामक एक नई योजना शुरू की है। हमने अपने ग्राहकों हेतु बीमा उत्पाद से सम्बद्ध बचत बैंक योजना शुरू की है और प्रतिभूति पक्ष पर बल देते हुए बैंक की वैयक्तिक ऋण योजना को सरल ऋण योजना के रूप में पुनः निरूपित किया है।

सार्वजनिक सेवा संबंधी प्रक्रिया और कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षा समिति के अनुरूप बैंक अपनी ग्राहक सेवा में सुधार लाने हेतु सतत् अध्ययन कर रहा है। हमने 2004-05 के दौरान ग्राहक सेवा के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल करते हुए संशोधित "नागरिकों का अधिकार-पत्र" भी प्रकाशित किया।

सहक्रियात्मक कारणों से और दक्षता स्तर में सुधार हेतु, उपरिव्यय लागतों तथा अन्य परिचालन व्यय में कमी करने हेतु पूर्ववर्ती 48 क्षेत्रीय कार्यालयों का पुनर्गठन किया गया और उन्हे घटाकर 44 किया गया तथा उनका नाम मंडलीय कार्यालय रखा गया। हमने 21 नई शाखाएँ खोली हैं और 5 शाखाओं का विलय किया है।

हमने 1,023 शाखाओं को यंत्रीकृत किया है जिसमें 805 टीबीएम और 218 आंशिक रूप से कम्प्यूटरीकृत शाखाएँ हैं। हमने 91 एटीएम स्थापित किए हैं। प्रथम चरण में सीबीएस के अंतर्गत 400 शाखाओं को लाने की योजना के साथ केन्द्रीकृत बैंकिंग समाधन (सीबीएस) कार्य प्रक्रियाधीन है। हमने वीजा के साथ टाइ-अप व्यवस्था के अंतर्गत 43,000 इंटरनेशनल एटीएम कम डेबिट कार्ड जारी किए।

मानव संसाधन हमारी बहुमूल्य संपत्ति है और गहन प्रशिक्षण के माध्यम से कार्मिकों के एक सुविज्ञ समूह (नौलेज पूल) के विकास हेतु इस पर लगातार ध्यान केन्द्रित किया गया। बैंक हेतु रणनीतिपरक प्रशिक्षण नीति तैयार करने के लिए एनआईबीएम की सेवाएँ प्राप्त की गईं।

आगामी बासेल-II मानकों के परिप्रेक्ष्य में बैंक के पूंजी आधार को बढ़ाने हेतु फॉलोऑन पब्लिक ऑफर को बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। रु.10/- प्रति के अंकित मूल्य पर बुक बिल्डिंग प्रक्रिया द्वारा 10 करोड़ इक्विटी शेयर का इश्यू 9 गुना अधिक ओवरसब्सक्राइब हुआ। बैंक के दूसरे पब्लिक इश्यू की सफलता बाजार में इसकी बेहतर छवि और विश्वसनीयता का परिचायक है।

बैंक ने मार्च 2006 के अंत तक रु.80,000 करोड़ के व्यवसाय स्तर का लक्ष्य रखा है। पंजाब नेशनल बैंक के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में हम निकट भविष्य में कजाखिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे। हम हांगकांग में एक शाखा खोलने और चीन में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की भी योजना बना रहे हैं।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि, अपने शेयरधारकों, हितधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों के सतत् समर्थन और संरक्षण में बैंक निकट भविष्य में व्यवसाय और ग्राहक संतुष्टि की नई ऊँचाई छुएगा।

सादर,

आपका,

(ओ.एन. सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

09 मई, 2005
कोलकाता

agency tie-up with Life Insurance Corporation of India for selling insurance policies and with UTI-Mutual Fund for marketing of mutual fund products through our branches. We have deployed 134 trained officers at potential strategic centres for direct selling of insurance and mutual fund products.

A new scheme *"AllBank Griha Mangal Scheme"* has been introduced by the Bank in association with LICI to provide life insurance cover to all eligible housing loan customers (existing and prospective) under Group Plan, during 2004-05. We have introduced savings bank linked insurance product for our customers and redesigned the Bank's personal loan scheme as Saral Loan Scheme, emphasizing on security aspect.

In line with the Committee on Procedures and Performance Audit on Public Services, the Bank is continually making strides in improving the customer services. We have also come out with the revised 'Citizens' Charter', encompassing all the major areas of customer services during 2004-05.

On synergy reasons and for improvement in level of efficiency, reduction in overhead costs & other operating expenses, the erstwhile 48 Regional Offices have been restructured and brought down to 44 with the name of Zonal Office. We have opened 21 new branches and merged 5 branches.

We have mechanized 1,023 branches, 805 TBM and 218 partial computerization, and installed 91 ATMs. Centralized Banking Solution is underway with a plan to bring 400 branches under CBS in the first phase. We have issued 43,000 international ATM cum Debit Card under tie-up with VISA.

Human Resources are our most valuable assets and it has been receiving our focused attention to develop a knowledge pool of workers through intensive training. NIBM has been engaged to formulate the strategic training policy of the Bank.

The Follow on Public Offer to augment the capital base of the Bank in the wake of ensuing BASEL II, received immense response from the market. The issue of 10 crores equity shares of face value of Rs.10/-each on book building process was oversubscribed by more than 9 times. The success of the second public issue of the Bank signifies its enhanced market image and customer confidence on us.

The Bank has set a target for a business level of Rs.80,000 crores by March-end 2006. Under joint venture with Punjab National Bank, we will have presence in Kazakhstan in near future. We are also planning to open a branch in Hong Kong and a representative office in China.

With the continued support and patronage of its shareholders, stakeholders, customers, employees and well-wishers, I firmly believe that the Bank will scale a new height of business and customer satisfaction in near future.

With warm regards,

Yours sincerely,

(O. N. SINGH)
Chairman & Managing Director

May 09, 2005
Kolkata

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

ईलाहाबाद बैंक

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इलाहाबाद बैंक के शेयर धारकों की तृतीय वार्षिक आम बैठक बुधवार, 15 जून, 2005 को पूर्वाह्न 10.30 बजे, इस्टर्न ज़ोनल कल्चरल सेन्टर (भारतीयम कल्चरल मल्टीप्लेक्स) आईबी-201, सेक्टर III, सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता - 700106, टेंक नं. 13 के पास में आयोजित की जाएगी जिसमें निम्नलिखित व्यवसायों का संचालन किया जाएगा।

"यथास्थिति 31.03.2005 के बैंक के तुलन-पत्र, 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु लाभ-हानि लेखा, इस अवधि हेतु बैंक के कारोबार और गतिविधियों के सम्बन्ध में निदेशक मंडल के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखाओं पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा।"

बोर्ड के आदेश से

स्थान : कोलकाता
तिथि : 13 मई, 2005

(ओ. एन. सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नोट:

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति :

बैठक में उपस्थिति होने और मतदान करने के अधिकारी शेयर धारक को प्रॉक्सी नियुक्त करने का भी हक है जो उसकी ओर से बैठक में उपस्थित हो और मतदान करे और ऐसे प्रॉक्सी का बैंक का शेयर-धारक होना आवश्यक नहीं है। प्रॉक्सी फार्म को प्रभावी बनाने हेतु यह बैंक के प्रधान कार्यालय, 2, एन. एस. रोड, कोलकाता में बैठक की तिथि से चार दिन से अधिक विलम्ब से नहीं अर्थात शनिवार, 11 जून, 2005 को कार्य समाप्ति या उससे पूर्व अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए। कृपया नोट करें कि इलाहाबाद बैंक (शेयर और बैठकें) विनिमय 1999 के अनुसार बैंक के किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी को प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता।

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति :

कोई भी व्यक्ति, किसी निगमित निकाय, जो बैंक का शेयर धारक है, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में तब तक बैठक में उपस्थित नहीं हो सकेगा अथवा मतदान नहीं कर सकेगा जब तक कि विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उसकी नियुक्ति करने वाले संकल्प की प्रति उस बैठक जिसमें उसे पारित किया गया है, के अध्यक्ष द्वारा सत्यप्रति के रूप में प्रमाणित किया गया है बैंक के प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता - 700001 अर्थात शनिवार, 11 जून, 2005 को कार्यसमाप्ति या उससे पूर्व प्राप्त न हो जाए। कृपया नोट करें कि इलाहाबाद बैंक (शेयर और बैठकें) विनिमय, 1999 के अनुसार बैंक के किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी को प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता।

3. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रेवश-पत्र :

शेयर धारकों की सुविधा हेतु उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश-पत्र वार्षिक रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयर धारकों / प्रॉक्सी धारकों / प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इसे भरें और इसमें दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर इसे बैठक स्थल पर प्रस्तुत कर दें। शेयर धारकों के

ALLAHABAD BANK

Head Office : 2,N.S.Road, Kolkata- 700 001

NOTICE

Notice is hereby given that the Third Annual General Meeting of the shareholders of Allahabad Bank will be held on Wednesday, the 15th June, 2005 at 10.30 A.M. at Eastern Zonal Cultural Centre, (Bharatiyam Cultural Multiplex) IB-201, Sector III, Salt Lake City, Kolkata-700106, Near Tank No. 13 to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31.03.2005, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2005,the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts."

By order of the Board

Place: Kolkata
Date : 03.05.2005

(O.N.Singh)
Chairman & Managing Director

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY

A Shareholder entitled to attend and vote at the meeting, is also entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself, and such a proxy need not be a Shareholder of the Bank The proxy form in order to be effective, must be received by the Bank at its Share Department, Head Office, 2, N.S.Road Kolkata-700001 not later than FOUR DAYS before the date of the Meeting i.e. on or before the closing hours of Saturday, the 11th June, 2005 .Please note that any employee or officer of the Bank cannot be appointed as proxy as per provisions of Allahabad Bank (Shares & Meetings) Regulations,1999.

2. APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank with Share Deptt.,Allahabad Bank, 2, N.S.Road, Kolkata-700001 not later than FOUR DAYS before the date of the meeting i.e. on or before the closing hours of Saturday, the 11th June, 2005 . Please note that an employee or officer of the Bank cannot be appointed as authorised representative as per provisions of Allahabad Bank (Shares & Meetings) Regulations,1999.

3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders ,attendance slip-cum Entry pass is annexed to the Annual Report, Shareholders/Proxy holders/Authorised Representatives

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि को चाहिए कि वह अपनी उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश-पत्र पर यथास्थिति "प्रॉक्सी" अथवा "प्राधिकृत प्रतिनिधि" का उल्लेख करें।

4. शेयर धारकों के रजिस्टर का बन्द किया जाना :

द्वितीय वार्षिक आम बैठक के संबंध में और बैंक द्वारा घोषित लाभांश यदि कोई हो, प्राप्त करने के हकदार शेयर धारकों का निर्धारण करने के प्रयोजन से बैंक के शेयर धारकों का रजिस्टर और शेयर अन्तरण बहियाँ शनिवार, 4 जून, 2005 से बुधवार 15 जून 2005 तक (दोनों दिन शामिल) बंद रहेगी।

5. लाभांश का भुगतान :

बैंक के निदेशक मंडल द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान, यदि कोई हो, उन शेयर धारकों को किया जाएगा जिनके नाम 03 जून, 2005 को यथास्थिति एन. एस. डी. एल./सी.डी.एस.एल. द्वारा तैयार किए गए बैंक के शेयर धारकों / हिताधिकारी स्वामियों के रजिस्टर में शामिल होंगे। ऐसे शेयर धारकों को लाभांश वारंट वार्षिक आम बैठक की तारीख से 30 दिनों के अंदर शेयर अंतरण एजेन्ट अर्थात कारवी कंप्यूटर शेयर लि. के माध्यम से भेजा जाएगा।

6. लाभांश अथवा इलैक्ट्रानिक क्लियरिंग सर्विस : (इ सी एस) हेतु बैंक का अधिदेश

क) वारंटों के कपट-पूर्ण नकदीकरण से निवेशकों की रक्षा करने के उद्देश्य से सदस्यों से अनुरोध है कि जब कभी बैंक द्वारा लाभांश घोषित किया जाता है तो वे जहाँ पर नकदीकरण हेतु डिविडेन्ट वारंट जमा करना चाहते हैं वहाँ के बैंक खाता संख्या (चालू/बचत), बैंक का नाम और शाखा का उल्लेख करें।

इन विवरणों को लाभांश वारंट के चेक वाले हिस्से पर नाम के साथ-साथ मुद्रित किया जाएगा ताकि इन वारंटों को शेयर धारक से इतर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न भुनाया जा सके।

उपरोक्त विवरण प्रथम / एकल धारक द्वारा सीधे हैदराबाद स्थित शेयर अंतरण एजेन्ट को प्रस्तुत किये जाएँगे जिसमें फोलियों सं. रखे गए शेयरों की संख्या, होल्डिंग का विवरण आदि दिया जाएगा।

ख) बैंक विनिर्दिष्ट शहरों में रह रहे शेयर धारकों हेतु ई सी एस सुविधा भी मुहैया करा रहा है। जब कभी बैंक द्वारा लाभांश घोषित किया जाता है तो लाभांश को खाते में जमा करने हेतु शेयर धारकों द्वारा इस सुविधा का लाभ भी, बावजूद बैंक अधिदेश के, उठाया जा सकता है।

7. बैंक के शेयरों का लेनदेन अनिवार्यतः डिमैटीरियलाइजड (डिमैट) रूप में किया जाना :

सेबी द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसरण में हमारे बैंक के शेयरों का लेनदेन डिमैट रूप में करना सभी निवेशकों के लिए अनिवार्य है।

बैंक ने बैंक के शेयरों के डिमैटीरलाईजेशन हेतु नेशनल सिक्यूरिटी डिपोजिटरी लि. (एन.एस.डी.एल.) और सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लि. (सी.एस.डी.एल.) के साथ जारीकर्ता कम्पनी के रूप में करार किया है।

डिमैटरिलाईजेशन हेतु अनुरोध संबंधी डिपोजिटरी सहभागी के माध्यम से हमारे रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेन्टों को भेजे जा सकते हैं।

are requested to fill in and affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue .Proxy /Authorised Representatives of shareholders should state on their attendance slip-cum-entry pass as 'Proxy' or 'Authorised Repesentatives' as the case may be .

4. CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS

The Register of Shareholders and the Transfer Books of the Bank will remain closed from Saturday, the 4th June 2005 to Wednesday, the 15th June, 2005 (both days inclusive) in connection with the Third Annual General Meeting and for the purpose of determining the shareholders entitled to receive the dividend, declared by the Bank.

5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend, declared by the Board of Directors of the Bank, will be paid to those shareholders whose names appear on the Bank's Register of Shareholders/Beneficial Owners as furnished by NSDL/CDSL at the close of business hours as on 3rd June, 2005.

The dividend warrants to such shareholders would be mailed by the Bank through Share Transfer Agents, viz. MCS Limited, within 30 days from the date of declaration of dividend, subject to deduction of tax as per the provisions of law.

6. BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS)

a) In order to protect the investors from fraudulent encashment of warrants, the members are requested to furnish their Bank Account Number(Current/Savings),the name of the Bank and Branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment, whenever Dividend is declared by the Bank

These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend Warrant besides the name of the shareholders, so that these warrants cannot be encashed by anyone other than the shareholder.

The above mentioned details should be furnished by the first/sole holder ,directly to the Share Transfer Agents at Kolkata ,quoting the folio number, number of shares held details of the holdings etc.

b) The Bank is offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities .The detailed information letter about the ECS facilities is annexed. This facility could also be used by the shareholders instead of Bank Mandate system for receiving the credit of dividends,whenever dividend is declared by the Bank.

7. COMPULSORY TRADING OF SHARES OF THE BANK IN DEMATERIALISED (DEMAT) FORM

Pursuant to the directive given by SEBI ,trading of our Bank shares in Dematerialised form has been made compulsory for all investors.

The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Ltd. (NSDL) and Central Depository Services (India) Ltd. (CDSL) as an issuer Company for dematerialisation of Bank's shares.

Request for dematerialised may be sent through respective depository participants to our Registrars and Share Transfer Agents.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

8. तुलनपत्र की प्रतियाँ :

शेयर धारकों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियाँ वार्षिक आम बैठक स्थल पर वितरित नहीं की जाएंगी अतः शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियाँ अपने साथ लेकर आएँ जो उन्हें उनके पंजीकृत पते पर भेजी गई हैं।

9. शेयर धारकों की शंकाएँ :

यह सराहनीय होगा यदि शेयर धारक समय रहते अपनी शंकाएँ प्रस्तुत करें ताकि बैंक को उनका प्रभावी उत्तर देने में आसानी हो।

10. शेयर अंतरण एजेन्ट के साथ पत्राचार :

शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे अपने पंजीकृत पते में किसी प्रकार के परिवर्तन, यदि कोई हो की सूचना बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता को इस पते पर दें।

एमसीएस लिमिटेड
77/2ए, हाज़रा रोड
तृतीय व पंचम तल
कोलकाता – 700029
दूरभाष : 033-24767350-54
फैक्स : 033-24541961, 24747644
ई-मेल : mclcal@cal2.vsnl.net.in

मेसर्स कार्वी कंप्युटरशेयर प्रा. लि. अब बैंक का रजिस्ट्रार नहीं है।

11. अन्य सूचना :

शेयर धारक कृपया नोट करें कि बैठक में कोई उपहार/कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

12. शेयर विभाग और निवेशक शिकायत कक्ष :

शेयर धारकों को त्वरित और प्रभावी सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से इलाहाबाद बैंक ने अपने प्रधान कार्यालय, कोलकाता में एक निवेशक शिकायत कक्ष की स्थापना की है। शेयर धारक और निवेशक किसी भी प्रकार की सहायता हेतु निम्नलिखित पते पर इस कक्ष से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
शेयर विभाग और निवेशक शिकायत कक्ष
इलाहाबाद बैंक, प्राधान कार्यालय
2, एन.एस.रोड, कोलकाता - 700 001
दूरभाष : 033-22420899
फैक्स : 033-22107424
ई-मेल : gmfa@allahabadbank.co.in

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 13 मई, 2005

(ओ. एन. सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

8. COPIES OF BALANCE SHEET

Shareholders are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General Meeting and hence shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report ,which are mailed by the Bank to them at their registered addresses.

9. SHAREHOLDRES QUERIES

It will be appreciated if shareholders submit their queries, if any, sufficiently in advance to facilitate effective response from the Bank

10. COMMUNICATION WITH SHARE TRANSFER AGENTS

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to

The Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address:

MCS Limited
77/2A, Hazra Road
3rd & 5th Floor
Kolkata – 700029
Tel: 033-24767350-54
Fax: 033-24541961, 24747674
E-mail: mcscal@cal2.vsnl.net.in

M/S Karvy Computershare Pvt. Ltd. is no longer the Registrar of the Bank.

11. OTHER INFORMATION

Shareholders may kindly note that no gift/coupon will be distributed at the meeting.

12. In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders, Allahabad Bank has set up Investors' Grievances Cell at its Head Office, Kolkata. Shareholders and investors may contact this Cell at the undermentioned address for any assistance :

The Deputy General Manager (F&A)
Share Deptt. & Investors' Grievances Cell,
Allahabad Bank, Head Office
2, Netaji Subhas Road, Kolkata – 700 001
Telephone No. 033-22420899
Fax No. 033-22107424
E-mail gmfa@allahabadbank.co.in

Place: Kolkata
Date : 13th May,2005

(O.N. Singh)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इलाहाबाद बैंक
निदेशकों की रिपोर्ट
अप्रैल 2004 से मार्च 2005

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक के परीक्षित लेखा विवरण सहित वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को प्रसन्नता हो रही है।

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

2004 के दौरान विश्व की अर्थ-व्यवस्था में 5.1% की वृद्धि हुई है, इससे भारत को वित्तीय स्थिरता, सौम्य मुद्रा स्फीति एवं कम ब्याज दर के साथ विश्व में उच्चतम वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में सहायता मिली है। भूमंडलीय आर्थिक विस्तार में अधिकतर सहयोग अमरीका में त्वरित वृद्धि, कुछ नव औद्योगिक एशियाई अर्थ-व्यवस्थाओं, स्वतंत्र राष्ट्रों के कॉमनवेल्थ (सीआईएस) एवं अन्य उभरते हुए बाजार तथा विकासशील देशों, विशेषतः रूस, चीन एवं भारत से मिला है। सब-सहारन, अफ्रीका के वृद्धि में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

देश के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2003-04 के दौरान 8.5% की तुलना में 2004-05 में 6.9% की वृद्धि होने का अनुमान है। कृषि एवं सम्बद्ध कार्यकलाप पिछले वर्ष के 9.6% की तुलना में 1.1% बढ़ा है। खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 के दौरान 212.4 मिलीयन टन की तुलना में 2004-05 में 206.4 मिलीयन टन पहुँचने का अनुमान है। औद्योगिक क्षेत्र 2003-04 में 6.5% की तुलना में 2004-05 में 8.3% बढ़ा है। सेवा क्षेत्र 2003-04 में 8.9% की तुलना में 2004-05 में 8.6% ऊपर गया है। इस प्रकार देश की आर्थिक वृद्धि विस्तृत थी।

निर्यात एवं आयात, यूएस $ में, 2003-04 के दौरान क्रमशः 16.4% तथा 25.0% की तुलना में 2004-05 के दौरान 27.1% तथा 36.4% बढ़ा। मार्च 2005 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार $28.5 बिलियन से बढ़कर $141.5 बिलियन हो गया। रुपये की विनिमय दर मार्च 2004 के अंत में रु.43.39 प्रति यूएस डॉलर के बदले मार्च 2005 को रु.43.75 प्रति यूएस डॉलर हुई है। 2004-05 के दौरान रुपये का मूल्य ह्रास यूएस डॉलर की तुलना में 0.8%, यूरो की तुलना में 6.2%, पाउंड-स्टर्लिंग की तुलना में 3.1% हुआ है परन्तु जापानी येन की तुलना में 1.9% मूल्य वृद्धि हुई है।

औसत आधार पर मुद्रास्फीति की वार्षिक दर 2003-04 में 5.4% के सापेक्ष 2004-05 के दौरान 6.4% रही।

भारत का समग्र आर्थिक परिदृश्य बैंक के व्यवसाय के तीव्रतर विस्तार के लिए सहायक था। वाणिज्यिक क्षेत्र से धन की वर्धित मांग से इलाहाबाद बैंक के ऋण संविभाग के तीव्रतर विस्तार को मदद मिली।

बैंकिंग परिदृश्य

2004-05 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में क) अर्थ-व्यवस्था के वाणिज्यिक क्षेत्र को पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त तरलता के प्रावधान, ख) वृद्धि संवेग तथा मैक्रो इकोनोमिक एवं मूल्य स्थिरता कायम रखने के लिए सहायक ब्याज दर परिवेश के लिए प्रयास एवं ग) मुद्रा स्फीतिगत दबाव को स्थिर करने के उपाय पर ध्यान दिया गया है।

सितम्बर, 2004 में तरलता की स्थिति की समीक्षा करने पर भारतीय रिजर्व बैंक ने दो चरणों में आरक्षित नकदी अनुपात (सीआरआर) को 50 आधार बिन्दु बढ़ाकर 5.0% किया। इससे बैंकिंग तंत्र में रु.9000 करोड़ से अधिक की तरलता में कमी आई है। 2004-05 के दौरान बैंक दर 6.00% पर स्थिर रही। प्रमुख बैंकों की मूल उधार दर 10.25%–11.00% के दायरे में रही जबकि एक वर्ष से अधिक परिपक्वतावाली मीयादी जमाराशियों हेतु प्रमुख बैंकों की जमाराशि पर 2004-05 के दौरान 6.25% रही। वेटेड एवरेज कॉल मनी दरें मार्च 2004 को 4.37% से बढ़कर मार्च 2005 को में 4.77% हो गई। नवम्बर, 2004 में रिवर्स रिपो दरें 4.5% से बढ़कर

ALLAHABAD BANK
DIRECTORS' REPORT
APRIL 2004 TO MARCH 2005

The Board of Directors' has pleasure in presenting the Annual Report along with the audited Statement of Accounts of the Bank for the year ended 31st March 2005.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC SCENE

Global economic growth at 5.1% during 2004 helped India to emerge as one of the highest growing economies of the world with financial stability, benign inflation and low interest rates. Global economic expansion has been largely contributed by accelerated growth in the US, some newly industrialized Asian economies, Commonwealth of Independent States (CIS) and other emerging markets and developing countries, especially, Russia, China and India. Growth in sub-Saharan Africa has also distinctly improved.

The growth of real Gross Domestic Product (GDP) of the country is estimated at 6.9% in 2004-05 as against 8.5% in 2003-04. The agriculture and allied activities went up by 1.1% as compared to 9.6% last year. Foodgrain production is estimated at 206.4 million tonnes in 2004-05 as against 212.4 million tonnes in 2003-04. Industrial sector was higher at 8.3% in 2004-05 as against 6.5% in 2003-04. The services sector went up by 8.6% in 2004-05 as against 8.9% in 2003-04. Thus, the economic growth of the country was broad-based.

Exports and imports, in US$ terms, grew by 27.1% and 36.4% respectively during 2004-05 as against 16.4% and 25.0% during 2003-04. Foreign exchange reserves of the country went up by $28.5 billion to $141.5 billion as at March-end 2005. The exchange rate of Rupee stood at Rs.43.75 per US Dollar as at March 2005 as against Rs.43.39 per US Dollar as at March-end 2004. During 2004-05, the Rupee depreciated by 0.8% against the US Dollar, 6.2% against Euro, 3.1% against Pound Sterling but appreciated by 1.9% against Japanese Yen.

The annual rate of inflation, on average basis, was at 6.4% during 2004-05 as against 5.4% in 2003-04.

The overall Indian economic scenario was conducive for the faster expansion of business of the Bank. Increased demand for fund from the commercial sector facilitated faster expansion of credit portfolio of Allahabad Bank.

BANKING SCENE

The stance of monetary policy of Reserve Bank of India during 2004-05, focused on a) provision of adequate liquidity to ensure credit flow to the commercial sector of the economy, b) pursue an interest rate environment conducive to maintaining growth momentum and macroeconomic and price stability and c) measures to stabilize inflationary pressures.

In September 2004, on review of liquidity conditions the Reserve Bank of India raised the Cash Reserve Ratio (CRR) by 50 basis points in two stages to 5.0%. This reduced the liquidity in the banking system by over Rs.9,000 crores. The Bank Rate was stable at 6.00% during 2004-05. Prime Lending Rates of major Banks were in the band of 10.25%–11.00%, while the deposit rates of major Banks for term deposits of more than one-year maturity was at 6.25% during 2004-05. Weighted average call money rates increased from 4.37% in March 2004 to 4.77% in

www.reportjunction.com

4.75% हुई। तदनन्तर, यह बढ़कर 5.01% हुई। इस प्रकार, भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियों में मुख्यतः पर्याप्त तरलता सुनिश्चित करने एवं मुद्रा स्फीतिक कारकों का सामना करने पर जोर दिया गया है।

धन आपूर्ति (एम-3) 2003-04 के दौरान 16.9% की तुलना में 2004-05 के दौरान 12.8% बढ़ी है। समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियाँ यथास्थिति 26.03.2004 को रु.15,42,285 करोड़ से 10.8% बढ़कर, यथास्थिति 25.03.2005 को रु.17,08,610 करोड़ हो गईं, जबकि 2003-04 में यह वृद्धि 17.6% थी। जो 17.6% की वृद्धि दर्शाती है। इसी अवधि के दौरान निवल बैंक ऋण रु.8,65,594 करोड़ से बढ़कर रु.10,92,008 करोड़ हो गया जो 26.2% की वृद्धि दर्शाता है। गैर खाद्य ऋण रु.8,29,080 करोड़ से बढ़कर रु.10,50,455 करोड़ हो गया जो 26.7% की वृद्धि दर्शाता है। ऋण जमा अनुपात (निवल) यथास्थिति 26.03.2004 को 56.1% की तुलना में यथास्थिति 25.03.2005 को 63.9% हुआ। निवेश (सरकारी प्रतिभूतियों एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में) रु.6,75,867 करोड़ से बढ़कर रु.7,22,115 करोड़ हो गया जो 6.8% की वृद्धि दर्शाता है।

कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र एवं आधारभूत क्षेत्र से ऋण मांग उल्लेखनीय थी। खाद्य प्रसंस्करण, सूती वस्त्र, लौह व इस्पात आदि जैसे क्षेत्रों से भी उल्लेखनीय ऋण मांग थी।

अच्छे ऋण संविभाग में और सुधार लाने के लिए जोखिम प्रबंधन एवं विविधीकरण को अत्यधिक महत्व मिला है। 2004-05 के दौरान अनुपयोज्य आस्ति प्रबंधन के क्षेत्र में सुधार उल्लेखनीय था। भारतीय बैंकिंग व्यवस्था ने बासेल-II को अपनाने हेतु और अधिक तैयारी दर्शायी है। भूमंडलीय मानक हासिल करने के लिए बैंकों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के अंगीकरण में तेजी लाई गई है। संक्षेप में, भारतीय बैंक भूमंडलीय संस्था के रूप में उभरने के लिए सुदृढ़ता प्राप्त करने हेतु चाक-चौबंद होना जारी रखे हुए हैं।

March 2005. Reverse repo rates increased from 4.50% to 4.75% in November 2004. Subsequently, it has been increased to 5.0%. Thus, the policies of Reserve Bank of India focused mainly on ensuring adequate liquidity and combating inflationary pressures.

The money supply (M_3) went up by 12.8% during 2004-05 as compared to 16.9% during 2003-04. The aggregate deposits of all scheduled commercial banks grew by 10.8% to Rs.17,08,610 crores as on 25.3.2005 from Rs.15,42,285 crores as on 26.3.2004 as against the growth of 17.6% during the corresponding period 2003-04. Net bank credit increased to Rs.10,92,008 crores from Rs.8,65,594 crores during the same period, posting a growth of 26.2%. Non-food credit grew to Rs.10,50,455 crores from Rs.8,29,080 crores, registering a growth of 26.7%. The credit-deposit ratio (net) stood at 63.9% as on 25.3.2005 as against 56.1% as on 26.3.2004. Investments (in Govt. securities & other approved securities) increased to Rs.7,22,115 crores from Rs.6,75,867 crores, showing a growth of 6.8%.

There was significant credit demand from the agriculture sector, industrial sector and infrastructure sector. Credit demand was also significant from the sectors like, food processing, cotton textiles, iron & steel etc.

Risk management and diversification has assumed further importance to improve quality credit portfolio. The improvement in the areas of non-performing asset management was notable during 2004-05. Indian banking system has shown further readiness to embrace Basel II. Adoption of information technology by the banks has gained momentum to attain the global standard. In fine, the Indian banks continued to gear up to gather muscle and strength to emerge as global entities.

इलाहाबाद बैंक का कार्यनिष्पादन

परिचालनगत परिणाम

2004-05 के दौरान मुख्य व्यवसाय मानदंडों में बैंक का कार्यनिष्पादन निम्नोक्त सारणी में संक्षेप में प्रस्तुत है:

(रु. करोड़ में)

मानदंड	31.03.2004	31.03.2005	वृद्धि (%)
निवल लाभ	463.38	541.80	16.92
प्रचालनगत लाभ	876.25	1,072.62	22.41
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	412.87	530.87	28.58
कुल आय	3,418.47	3,825.48	11.91
कुल व्यय (प्रावधान को छोड़कर)	2,542.22	2,752.86	8.29
ब्याज स्प्रेड	1,085.76	1,364.04	25.63
कुल जमाराशियां	31,477	40,762	29.50
कुल अग्रिम	16,388	22,152	35.17
कुल व्यवसाय	47,865	62,914	31.44
सकल निवेश	15,600	19,129	22.62

पूंजी एवं प्रारक्षित निधि

यथास्थिति 31.3.2005 को बैंक की प्रदत्त पूंजी रु.346.70 करोड़ थी। प्रारक्षित निधि यथास्थिति 31.3.2004 के रु.1,205.23 करोड़ से बढ़कर यथास्थिति 31.3.2005 को रु.1,980.95 करोड़ हो गई।

PERFORMANCE OF ALLAHABAD BANK

OPERATING RESULTS

The performance of the Bank in key business parameters during 2004-05 is summarized in the following table.:

(Rs. in crores)

Parameter	31.3.2004	31.3.2005	Growth (%)
Net Profit	463.38	541.80	16.92
Operating Profit	876.25	1,072.62	22.41
Provisions & Contingencies	412.87	530.82	28.58
Total Income	3,418.47	3,825.48	11.91
Total Expenditure (Excl. Prov.)	2,542.22	2,752.86	8.29
Interest Spread	1,085.76	1,364.04	25.63
Total Deposits	31,477	40,762	29.50
Total Advances	16,388	22,152	35.17
Total Business	47,865	62,914	31.44
Gross Investments	15,600	19,129	22.62

CAPITAL AND RESERVES

The paid-up capital of the Bank was Rs.346.70 crores as on 31.3.2005. The reserves increased to Rs.1,980.95 crores as on 31.3.2005 from Rs.1,205.23 crores as on 31.3.2004.

www.reportjunction.com